(b) whether there are some difficulties in the renewal of Indo-Nepal Treaty on Trade and Transit; and

(c) if so, what steps Government propose to take to normalise the relations keeping in view our age old historical and cultural ties with the Nepalese people?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) During the last few years, while India has made every effort to maintain the traditional, close and friendly relationship with Nepal, certain issues have cropped up and these need to be settled and solved.

(b) The old Treaties on trade and transit expired on March 23, 1989. A fresh draft of a treaty on Trade has been produced by Nepal and it is under consideration. India has suggested that negotiations for a new unified treaty for trade and transit should commence. Nepal has expressed a preference for two separate Treaties.

(c) Government are determined to solve all bilateral issues and problems with Nepal on the basis of respect for sovereignty, mutual trust, mutual benefit and reciprocity in understanding and safeguarding each other's interests and concerns.

**नडियाद-कपड़वंज-मोडासा रेल परियोजना को पूरा किया जाना**

230. **श्री मौर्जा इर्शादबेग**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1989-90 के दौरान नडियाद-कपड़वंज-मोडासा रेल परियोजना के लिये तीन करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है; और

(ख) इस परियोजना का कितना कार्य पूरा हो गया है तथा किस प्रकार का कार्य अभी भी लंबित पड़ा हुआ है तथा किन-किन विभागों में इस प्रकार का कार्य लंबित पड़ा हुआ है?

**रेल मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री माधवराव सिंधिया)**: (क) जी हां।

(ख) इस परियोजना पर अब तक कुल मिलकर 9 प्रतिशत प्रगति हुई है। भूमि अधिग्रहण, मिट्टी सम्बन्धी काम, पुल सम्बन्धी काम, सिगनल व्यवस्था, विद्युत तथा सिविल इंजीनियरी संबंधी अन्य सभी कार्य लम्बित पड़े हैं जो अधिकतर सिविल इंजीनियरी, सिगनल एवं दूर संचार तथा विद्युत विभागों से सम्बन्धित हैं।

**सूखे की स्थिति के कारण रद्द की गई रेलगाड़ियां**

231. **श्री मौर्जा इर्शादबेग**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सूखे की स्थिति के कारण गुजरात और अन्य राज्यों में कितनी रेलगाड़ियां रद्द की गई हैं और उनमें से कितनी रेलगाड़ियां पुनः आरम्भ कर दी गई हैं तथा शेष रेलगाड़ियों को कब तक पुनः आरम्भ कर दिये जाने की संभावना है; और

(ख) गुजरात में किन-किन रेलगाड़ियों को रद्द कर दिया गया है तथा इन रेलगाड़ियों के संबंध में क्या मांगें की गई हैं तथा इन रेल गाड़ियों को कब तक पुनः आरम्भ कर दिए जाने की संभावना है?

**रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया)**: (क) और (ख) गाड़ियां न तो राज्य-वार चलायी जाती हैं और न ही रद्द की जाती हैं। अतएव, ये आंकड़ें राज्य-वार नहीं रखे जाते हैं।